अयोध्या

Acharya Prashant: राम के स्पर्श ने रामभोला को तुलसीराम और तुलसीराम को तुलसीदास बना दिया

भगवान तो भक्त को रचता ही है, भक्त के हाथों भी भगवान की रचना निरंतर होती रहती है।

less than 1 minute read

Add as a preferred source on Google

अयोध्या Aman Kumar Pandey Apr 12, 2024

Acharya Prashant

बड़ी खबरें View All

अयोध्या उत्तर प्रदेश ट्रेंडिंग

राम मंदिर चंदे में हेराफेरी के आरोपों पर भड़के संजय राउत, उद्धव ठाकरे जाएंगे अयोध्या

अयोध्या

दानपात्र से CCTV तक, राम मंदिर की दान राशि में गबन के आरोपों के बाद कड़ी से कड़ी...

अयोध्या

अयोध्या: सेफ्टी ऑडिट के बाद रामलला के प्रसाद और सीता रसोई को FSSAI का 'भोग'...

अयोध्या

10 जून को पीएम मोदी रचेंगे इतिहास, अयोध्या से इकबाल अंसारी ने की जमकर तारीफ

अयोध्या

Ram Temple Chadhava: चढ़ावे पर सियायत के बीच सामने आए...

अयोध्या

पूर्व सिविल सेवा अधिकारी और प्रशांत अद्वैत फाउंडेशन के संस्थापक आचार्य प्रशांत ने प्रभु श्री राम के भक्ति की अनुपम व्याख्या की है। संत कबीर के दोहे का उल्लेख करते हुए आचार्य प्रशांत ने प्रभु श्री राम के रूपों और उनके लीलाओं को परिभाषित किया है।

'एक राम दशरथ का बेटा,एक राम घट घट में बैठा।
एक राम है सकल पसारा, एक राम है जग से न्यारा।।'

तुलसी और वाल्मीकि के राम

आचार्य प्रशांत बताते हैं कि राम के स्पर्श ने रामभोला को तुलसीराम और तुलसीराम को तुलसीदास बना दिया। लेकिन याद रखना होगा कि जैसा भक्त होता है, वैसा ही उसका भगवान भी होता है। भगवान तो भक्त को रचता ही है, भक्त के हाथों भी भगवान की रचना निरंतर होती रहती है।

यह भी पढ़ें: अखिलेश यादव से मिले संजय सिंह, UP में AAP ने इंडिया गठबंधन का किया समर्थन

वाल्मीकि के राम एक हाड़-मांस के पुरुष हैं, संसारी। वे श्रेष्ठ पुरुष हैं, धीर पुरुष हैं, वीर पुरुष हैं, पर हैं मानव ही। तुलसीराम ने तुलसीदास होकर राम को भी निराकार से साकार कर दिया। तुलसी के राम परब्रह्म हैं, तुलसी के राम तुलसी के हृदय पति हैं। तुलसी को राम प्यारे हैं, रामकथा प्यारी है, राम के संगी प्यारे हैं, राम के भक्त प्यारे हैं। तुलसी के लिए ये पूरा जगत राम का ही फैलाव है। राम ने तुलसी को अपना उपहार दिया तो तुलसी ने अध्यात्म की श्रेष्ठतम परंपरा में उस उपहार को जगत में बाँट दिया।